www.prepp.in

UGC NET PAPER 2 JANUARY 22, 2017 SHIFT 1 MAITHILI QUESTION PAPER

Note : This paper contains **fifty (50)** multiple-choice questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

नोट : एहि प्रश्न-पत्रमे **पचास (50)** बहु-विकल्पीय (Multiple-choice) प्रश्न अछि । प्रत्येक प्रश्नक लेल **दू (2)** अंक निर्धारित अछि । **सभ** प्रश्नक उत्तर देबाक अछि ।

1. 'राजकमल' विनिबन्ध लिखने छथि :

(1) महेन्द्र झा
(2) चन्द्रधर झा
(3) देवेन्द्र झा
(4) हीरेन्द्र कुमार झा

2. "शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्" कहने छथि ?

(1) भामह
(2) कुन्तक
(3) जगन्नाथ
(4) जयदेव

3. 'भग्नक्रम' भेद थिक :

(1) ध्वनिक
(2) रीतिक
(3) छन्दक
(4) दोषक

4. 'कान्तासम्मित उपदेश' होइछ :

(1) काव्य-प्रभेद
(2) काव्य-प्रयोजन
(3) काव्य-लक्षण
(4) काव्य-हेतु

5. 'शब्दशक्ति'क प्रमुख भेद होइत अछि :

(1) एक
(2) दू
(3) तीन
(4) चारि

6. 'जुगुप्सा' स्थायीभाव थिक :

(1) वीभत्सक
(2) श्रृंगारक
(3) रौद्रक
(4) भयानकक

7. 'पाञ्चाली' भेद थिक :

(1) गुणक
(2) रीतिक
(3) रसक
(4) वक्रोक्तिक

8. "मदन दीप उरमे जरय, तदपि घटय नहि नेह ।
पजरल विरहक आगि हो, तदपि भस्म नहि देह ।।"
एहिमे अलंकार अछि :

(1) अनन्वय
(2) प्रतीप
(3) निदर्शना
(4) विशेषोक्ति

9. जतए एक शब्दक दू वा ओहिसँ अधिक अर्थ होइत अछि, ओतए अलंकार होइछ :
(1) अनुप्रास (2) वक्रोक्ति
(3) श्लेष (4) यमक

10. 'नाटिका' भेद होइछ :
(1) रूपकक (2) उपरूपकक
(3) नाटकक (4) प्रहसनक

11. 'दोहाकोश' अछि :
(1) बौद्ध साहित्य (2) पालि साहित्य
(3) प्राकृत साहित्य (4) सिद्ध साहित्य

12. 'वर्णरत्नाकर'क रचनाकाल अछि :
(1) एगारहम शताब्दी (2) बारहम शताब्दी
(3) तेरहम शताब्दी (4) चौदहम शताब्दी

13. 'पारिजातहरण'मे गीतक संख्या अछि :
(1) बीस (2) एकैस
(3) बाइस (4) तइस

14. मल्लवंशीय नाटककार छलाह :
(1) मिथिलामे (2) ओडिशामे
(3) नेपालमे (4) असममे

15. 'अंफीया नाट विवेचन' लिखने छथि :
(1) लक्ष्मण चौधरी 'ललित' (2) नवीन चन्द्र मिश्र
(3) रामदेव झा (4) शिवाकान्त ठाकुर

16. 'मुद्राराक्षस' अनूदित नाटक थिक :
(1) गोविन्द झाक (2) ईशनाथ झाक
(3) सुधाकर झा 'शास्त्री'क (4) सुरेन्द्र झा 'सुमन'क

17. 'विजेता विद्यापति'क रचनाकार छथि :
(1) सुधांशु 'शेखर' चौधरी (2) त्रिलोचन झा
(3) जगदीश प्रसाद मंडल (4) काञ्चीनाथ झा 'किरण'

18. 'हिस्ट्री ऑफ तिरहुत' लिखने छथि :
(1) श्यामनारायण सिंह (2) उपेन्द्र ठाकुर
(3) राधा कृष्ण चौधरी (4) जयकान्त मिश्र

19. शिवशंकर झा 'कान्त' सम्पादक-मंडलमे छथि :
(1) 'कविता-संग्रह'क (2) 'संकलन'क
(3) 'कथा-संग्रह'क (4) 'एकांकी-संग्रह'क

20. आरसी प्रसाद सिंहक पुस्तक 'साहित्य अकादेमी'सँ पुरस्कृत अछि :
(1) पूजाक फूल (2) माटिक दीप
(3) सूर्यमुखी (4) शेफालिका

21. मैथिलीक उत्पत्ति कहल गेल अछि :
(1) शौरसेनीसँ (2) पैशाचीसँ
(3) अर्द्धमागधीसँ (4) मागधीसँ

22. 'ङ'क उच्चारणस्थल थिक :
(1) नासिका (2) कण्ठ
(3) तालु (4) मूर्द्धा

23. अर्थ परिवर्तनक दिशा अछि :
(1) वर्ण विपर्यय (2) समीकरण
(3) अर्थ विस्तार (4) विषमीकरण

24. 'हाथ' शब्द अछि :
(1) तत्सम (2) तद्भव
(3) देशज (4) विदेशज

25. आकृतिमूलक वर्गीकरण होइछ :
(1) भाषाक (2) साहित्यक
(3) संगीतक (4) नाटकक

26. 'वस्तुनिष्ठ' लिखने छथि :
(1) उमेश मंडल (2) इन्दुधर झा
(3) दमन कुमार झा (4) अजीत मिश्र

27. 'बाजि उठल मुरली'क रचयिता छथि :
(1) कुलानन्द मिश्र (2) उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'
(3) केदार कानन (4) विवेकानन्द ठाकुर

28. 'चैतन्य चन्द्रायण'क प्रणयन कएलनि :
(1) रामचन्द्र मिश्र 'मधुकर' (2) गोपालजी झा 'गोपेश'
(3) मार्कण्डेय प्रवासी (4) ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'

29. 'अहिरावण-वध' लिखने छथि :
(1) रवीन्द्र नाथ ठाकुर (2) अमरेन्द्र मिश्र
(3) यागेश्वर झा (4) रमण झा

30. प्रबोध नारायण सिंहक एकांकी अछि :

(1) प्रायश्चित (2) सिमरिया डूब
(3) हाथीक दाँत (4) प्रियंवदा

31. 'कुमार'क रचनाकार छथि :

(1) केदारनाथ चौधरी (2) उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'
(3) उषाकिरण खान (4) लिली रे

32. 'भाग्योदय' कथा-संग्रहक लेखक छथि :

(1) अशोक (2) श्याम दरिहरे
(3) वीरेन्द्र झा (4) धीरेन्द्र नाथ मिश्र

33. 'मिथिला लोकसंस्कृतिक संदर्भ' थिकनि :

(1) राजाराम प्रसादक (2) इन्द्रकान्त झाक
(3) प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन'क (4) शिव प्रसाद यादवक

34. 'बहुवचन'क रचयिता छथि :

(1) विनोद कुमार झा (2) तारानन्द वियोगी
(3) मोहन भारद्वाज (4) रमानन्द झा 'रमण'

35. 'लीखि पठाओल आखर'मे पत्र प्रेषित अछि :

(1) जीवकान्तक नामसँ (2) प्रदीप बिहारीक नामसँ
(3) चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'क नामसँ (4) भीमनाथ झाक नामसँ

36. 'शोधार्थी'क सम्पादक छथि :

(1) गजेन्द्र ठाकुर (2) शान्तिनाथ सिंह ठाकुर
(3) केष्कर ठाकुर (4) धनाकर ठाकुर

37. मधुकान्त झा लिखित अछि :

(1) तेसर बुद्ध (2) ममता जोगी
(3) चमेली रानी (4) अनुचिन्तन

38. कुमार गंगानन्द सिंहक कृति अछि :

(1) अगिलही (2) अगुरवान
(3) पथ हेरथि राधा (4) हमरा लग रहब ?

39. तन्त्रनाथ झाक रचना अछि :

(1) कविक स्वप्न (2) आब कहू मोन केहन लगैए ?
(3) कोकिल पुनि आउ (4) मुसरी झा

40. रघुनन्दन दासक महाकाव्य अछि :
(1) दत्त-वती (2) सुभद्राहरण
(3) रुक्मिणीहरण (4) राधा-विरह

41. लक्ष्मण झा लिखने छथि :
(1) गंगा (2) संन्यासी
(3) नोर (4) एकलव्य

42. बाबू साहेब चौधरीक नाटक अछि :
(1) बाढ़ि फेनो अओतैक (2) लौंगिया मिरचाइ
(3) कुहेस (4) सुनू जानकी

43. 'देश-काल'क लेखिका छथि :
(1) आशा मिश्र (2) नीता झा
(3) शेफालिका वर्मा (4) इन्दिरा झा

44. लिली रेक रचना अछि :
(1) अश्रुकण (2) प्रतिनिधि
(3) कचोट (4) लाली गुराँस

45. 'फॉक लिटरेचर ऑफ मिथिला'क रचना कएने छथि ?
(1) जयकान्त मिश्र (2) कृष्णकान्त मिस्र
(3) श्रीकृष्ण मिश्र (4) उमेश मिश्र

निर्देश : निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि ओहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावली (प्रश्न संख्या **46** सँ **50**)क उत्तर देबाक लेल बहु-विकल्पसँ सही विकल्पक चयन करू :

पत्रक स्वस्थ विकास ओ पत्रकारिताक मर्यादा किंवा स्तरक रक्षा सामाजिक दायित्व थिक । पत्रकारिता मे व्यक्तिक आत्मप्रचारक कनेको स्थान नहि होएबाक चाही । यदि कोनो व्यक्ति आत्मप्रचारक लक्ष्यसँ पत्र बहार करैत अछि अथवा छल-बलसँ कोनो पत्रकेँ अपन वशमे कऽ बिना उचित प्रशिक्षणक स्वयंभू सम्पादक बनि बैसैत अछि तँ समाजकेँ ई बुझबाक चाहिऐक जे एहन पत्र ओकर अपेक्षित नहि भए सकैत छैक । असलमे, पत्रकारिताक चरम उद्देश्य होइत अछि जनाकांक्षाकपूर्त्तिक दिशामे ओकर मुँहक वाणीकेँ मुखरित करब । जँ कि मैथिलीक पत्र-पत्रिका एहि आदर्शसँ च्युत रहल अछि तेँ ने ओकर समुचित विकास सम्भव भेलैक अछि आ ने ओ जनमानसक अपनत्व प्राप्त कऽ सकल अछि । जनमानस अपनत्व प्राप्त कऽ लेनिहार पत्र अकाल कालकवलित भेये नहि सकैत अछि । पत्र-पत्रिकामे जँ कि सदा सुधारक सम्भावना बनल रहैत अछि तेँ सम्पादकीय स्खलनक अवसर पर प्रबुद्ध समाजक ई कर्त्तव्य चाही जे ओ ओहि स्खलनपर स्वयं दृष्टिपात करए आ ओही माध्यमसँ सम्पादकक त्रुटि निर्दिष्ट करय । एहि प्रक्रियासँ पत्रकारितामे स्वस्थताक सम्भावना बनल रहत । किन्तु मैथिली पत्रक स्तर परीक्षक एहन अजगुत मानदण्ड बनल अछि जे रोचक होयबाक संग-संग विनाशकारी सेहो अछि । हमर सड़लो कोनो लेख यदि पत्रमे कोनहुना छपिगेल तँ ओ पत्र स्तरीय भऽ गेल । यदि आन अंक निम्न स्तरीय अछियो तँ कमसँ-कम जाहि अंकमे हमर लेख अछि से धरि निश्चित रूपसँ स्तरीय अछि । संयोगसँ किंवा दुर्बल होयबाक कारण यदि हमर लेख नहि छापल गेल तँ ओ पत्रे सड़ल भऽ गेल । ततबे नहि, महिसा कानि धऽ कऽ ओहि पत्रक हम ततेक दुष्प्रचार करब जे ओहि पत्र पर घातक प्रभाव पड़ि जाइक । मैथिली पत्र-पत्रिकाकेँ कम विकयबामे इहो मानदण्ड एक तत्त्व रहल अछि जे निरन्तर सक्रिय रहैत आयल अछि । एहि प्रकारक व्यक्तिगत आमर्ष ओ अदूरदर्शिता मैथिलीक दुर्बल पड़ल पत्रकारिताकेँ आर दुर्बल बनयबामे सहायक भऽ रहल अछि । जे मौलिकतया सम्पादन जनैत अछि तकरा पर कोनो तरहक दबावकेँ न्यायसंगत नहि बुझबाक चाही ।

46. पत्रकारितामे कोनो स्थान नहि रहबाक चाही ?

(1) आत्मसम्मानक

(2) आत्मबोधक

(3) आत्मप्रचारक

(4) आत्मबलक

47. पत्रकारिताक मुख्य उद्देश्य होयबाक चाही :

(1) जनवाणीकेँ मुखरित करब

(2) सरकारी क्रियाकलापक समर्थन करब

(3) साहित्यकारक रचनाकेँ प्रकाशित करब

(4) सम्पादकक यशोगाना करब

48. पत्रकारिता अकाल काल-कवलित नहि भए सकैछ :

(1) जकर सम्पादकमे विद्वता छैक

(2) जकरा जनमानसक अपनत्व प्राप्त छैक

(3) जकरा धनक प्रचुरता छैक

(4) जकरा साधनक सम्पन्नता छैक

49. सम्पादकक त्रुटिक दिग्दर्शन करबाक अधिकार होएबाक चाहियनि :

(1) नेना लोकनिककेँ

(2) सम्पादक मंडलकेँ

(3) पत्रिकाक लेखककेँ

(4) प्रबुद्ध समाजकेँ

50. मैथिलीक पत्र-पत्रिकाकेँ दुर्वल बनयबाक कारण अछि :

(1) व्यक्तिगत आमर्ष

(2) अर्थाभाव

(3) लेखन सामग्रीक अभाव

(4) सम्पादकक कुशलताक अभाव